प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

26 जून 2025

वर्ष 2024-25 के दौरान निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्य-निष्पादन

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2024-25 के दौरान निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के कार्य-निष्पादन से संबंधित आंकड़े जारी किए, जो 3,902 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के संक्षिप्त वित्तीय परिणामों से लिए गए हैं। तुलना करने के लिए इनमें 2023-24 के आंकड़े भी शामिल हैं। इन डेटा को वेब-लिंक https://data.rbi.org.in/DBIE/#/dbie/reports/Statistics/Corporate%20Sector/Listed%20Non-Government%20Non-Financial%20Companies पर देखा जा सकता है।

मुख्य बातें

बिक्री

- 2024-25 के दौरान सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों की बिक्री वृद्धि पिछले वर्ष के 4.7 प्रतिशत के निचले स्तर से सुधरकर 7.2 प्रतिशत हो गई (तालिका 1ए)।
- 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों की बिक्री में पिछले वर्ष की 3.5 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 6.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल, विद्युत मशीनरी, खाद्य एवं पेय पदार्थ तथा औषधि उद्योगों का योगदान रहा। दूसरी ओर, 2024-25 के दौरान प्रमुख उद्योगों में पेट्रोलियम तथा लोहा एवं इस्पात उद्योगों की बिक्री में संकुचन दर्ज किया गया (तालिका 2ए एवं 5ए, चार्ट 1)।

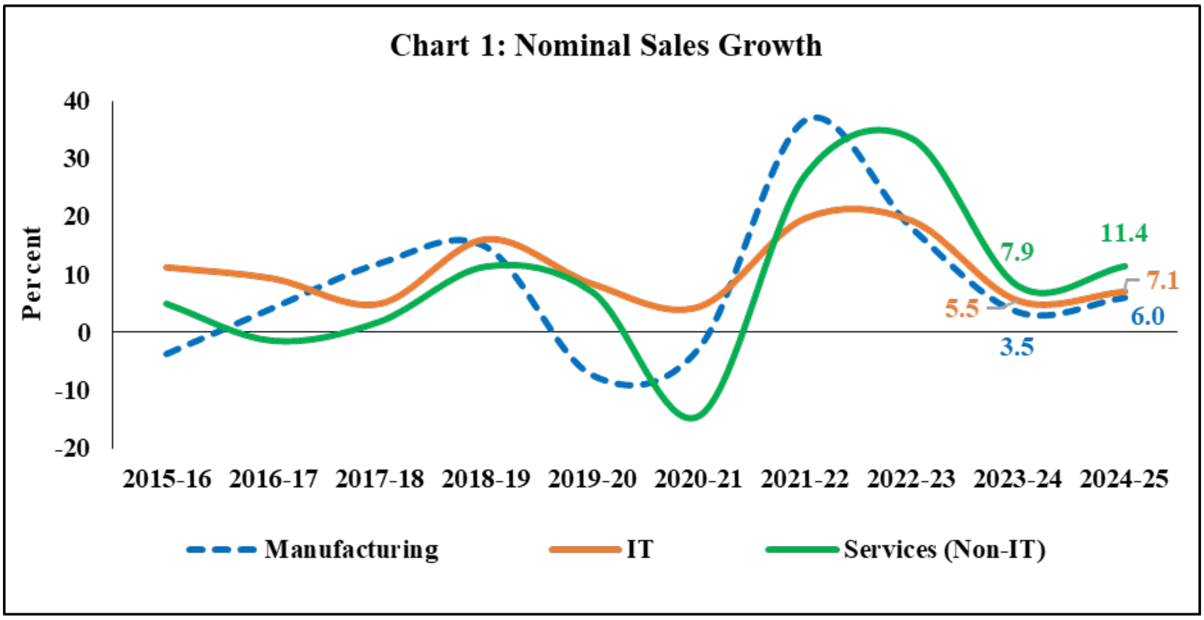

स्रोत: कैपिटालाइन डेटाबेस और आरबीआई स्टाफ की गणना।

- वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद, आईटी कंपनियों की बिक्री वृद्धि पिछले वर्ष के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 7.1 प्रतिशत हो गई। गैर-आईटी सेवा कंपनियों ने 2024-25 में दो अंकों की बिक्री वृद्धि दर्ज की, जिसमें मुख्य रूप से दूरसंचार, परिवहन एवं भंडारण सेवाओं तथा थोक एवं खुदरा व्यापार उद्योगों के बेहतर निष्पादन का योगदान रहा।

व्यय

- बिक्री में तेजी के साथ-साथ, विनिर्माण कंपनियों के कच्चे माल पर व्यय में 2024-25 के दौरान 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई; बिक्री की तुलना में कच्चे माल का अनुपात एक वर्ष पूर्व के 54.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 55.7 प्रतिशत हो गया, जो लागत दबाव की ओर इशारा करता है (तालिका 2ए एवं 2बी)।
- 2024-25 के दौरान विनिर्माण, आईटी और गैर-आईटी सेवा कंपनियों के लिए कर्मचारी लागत में क्रमशः 10.0 प्रतिशत, 4.4 प्रतिशत और 12.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई; विनिर्माण कंपनियों के लिए बिक्री की तुलना में कर्मचारी लागत अनुपात लगभग स्थिर रहा, जबकि सेवा कंपनियों के लिए यह अनुपात कम हो गया।

कीमत निर्धारण क्षमता

- निविष्टि लागत में वृद्धि के कारण, विनिर्माण कंपनियों की परिचालन लाभ वृद्धि पिछले वर्ष के 12.4 प्रतिशत की तुलना में कम होकर 2024-25 के दौरान 6.0 प्रतिशत हो गई; सेवा क्षेत्र के भीतर, गैर-आईटी सेवा कंपनियों के लिए 2024-25 में लाभ वृद्धि कम होकर 15.9 प्रतिशत रह गई, जबकि आईटी कंपनियों के लिए यह 6.1 प्रतिशत तक बढ़ गई (तालिका 2ए)।

- 2024-25 के दौरान, विनिर्माण, आईटी और गैर-आईटी सेवा कंपनियों के लिए परिचालन लाभ मार्जिन क्रमशः 20 आधार अंक (बीपीएस), 80 बीपीएस और 30 बीपीएस घटकर 14.2 प्रतिशत, 21.9 प्रतिशत और 22.1 प्रतिशत रह गया (तालिका 2बी, चार्ट 2)।

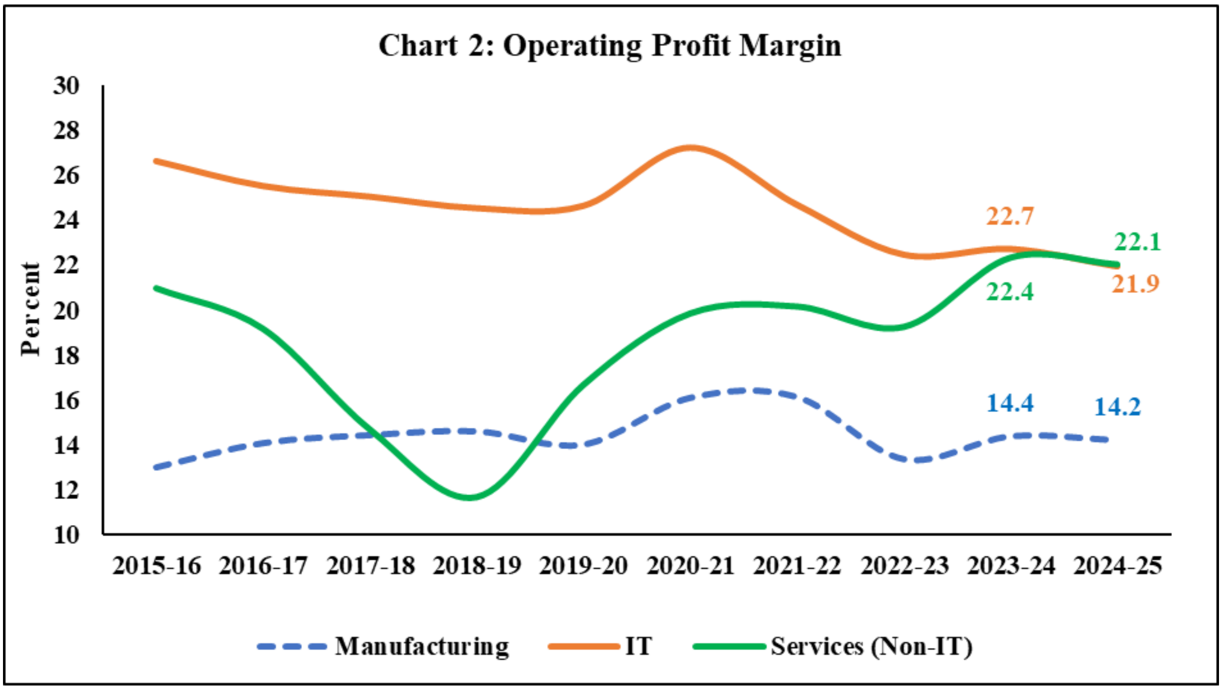

स्रोत: कैपिटालाइन डेटाबेस और आरबीआई स्टाफ गणना।

ब्याज व्यय

- 2024-25 के दौरान प्रमुख क्षेत्रों में ब्याज कवरेज अनुपात (आईसीआर)[1] में एक वर्ष पहले की तुलना में सुधार हुआ; 2024-25 के दौरान प्रमुख उद्योगों के लिए आईसीआर एक से अधिक रहा (तालिका 2बी और 5बी)।

तालिकाओं की सूची			
तालिका सं.		**शीर्षक**	
1	ए	सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
2	ए	सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन – क्षेत्र-वार	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
3	ए	चुकता पूंजी के आकार के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
4	ए	बिक्री के आकार के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
5	ए	उद्योग के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
व्याख्यात्मक टिप्पणियां			
पारिभाषिक शब्दावली			

नोट:

- आंकड़ों के संकलन हेतु अपनाई जाने वाली पद्धति, और शब्दावली (पिछली रिलीज़ से भिन्न संशोधित परिभाषाओं और गणनाओं सहित) का विवरण देने वाले व्याख्यात्मक नोट संलग्न हैं।

(पुनीत पंचोली)

मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2025-2026/596

[1] आईसीआर (अर्थात, ब्याज और कर से पहले की आय और ब्याज व्यय का अनुपात) किसी कंपनी की ऋण चुकाने की क्षमता का एक माप है। व्यवहार्य कंपनी के लिए आईसीआर का न्यूनतम मान 1 है।